

कुलपुरुष पुं. (तत्.) कुलीन मनुष्य, सम्माननीय कुल का व्यक्ति।

कुलपूज्य वि. (तत्.) जिसका मान वंशपरंपरा से होता आया हो प्रबो. गुरु वशिष्ठ राम के कुलपूज्य थे।

कुलफत स्त्री. (अर.) मानसिक चिंता या दुःख, विकलता।

कुलफी स्त्री. (अर. < कुफल) 1. टीन या किसी धातु या मिट्टी आदि का बना हुआ चोंगा जिसमें दूध भरकर बर्फ जमाते हैं 2. उपर्युक्त प्रकार से जमा हुआ दूध, मलाई आदि 3. धातु का वह टुकड़ा जो किसी चीज में घूमने अथवा उसे घुमाने के लिए पेंच से कसा जाता हो, पेंच।

कुलबुल पुं. (अर.) छोटे छोटे जीवों के हिलने डुलने की आहट।

कुलबुलाना अ.क्रि. (देश.) 1. धीरे धीरे हिलना डुलना 2. चंचल होना, आकुल होना 3. बहुत से छोटे जीवों का एक साथ मिलकर हिलना डुलना, इधर-उधर होजाना।

कुलबुलाहट पुं. (देश.) धीरे धीरे हिलने डुलने की स्थिति, इधर उधर रेंगना।

कुलबोरन वि. (तत्. + देश) 1. कुल को डुबाने वाला कुलकुठार 2. अयोग्य, नालायक।

कुलवंत वि. (तत्.) कुलीन।

कुलस्त्री स्त्री. (तत्.) ऊँचे कुल की नारी, साध्वी स्त्री।

कुलह स्त्री. (फा.) 1. टोपी 2. शिकारी 3. चिड़ियों की आँखों पर का ढक्कन, अंधियारी।

कुलहीन वि. (तत्.) अकुलीन, निम्न कुल का।

कुलौंच स्त्री. (तुर्की., कुलाच) 1. दोनों हाथों के बीच की दूरी 2. छलांग, उछाल 3. चौकड़ी 4. तेजी से की गई उन्नति।

कुलौचना अ.क्रि. (देश.) चौकड़ी भरना।

कुलाचार पुं. (तत्.) 1. कुलपरंपरा से आगत आचार व्यवहार, कुलरीति 2. वाममार्ग, कौलाचार।

कुलाचार्य पुं. (तत्.) कुलगुरु, पुरोहित।

कुलाबा पुं. (अर. < कुलावः) 1. लोहे का जमुरका जिसके द्वारा किवाड़ बाजू से जकड़ा जाता है, पायजा 2. मछली फँसाने का काँटा 3. जुलाहों के करघे की वह लकड़ी जो चकवा की बीच लगी रहती है 4. नाली, मोरी 5. जंजीर, सिकड़ी।

कुलाय पुं. (तत्.) 1. शरीर देह 2. खोता, घोंसला 3. स्थान, जगह।

कुलायिका स्त्री. (तत्.) 1. पक्षिशाला, चिड़ियाघर 2. पिंजर, पिंजड़ा।

कुलाल पुं. (तत्.) 1. मिट्टी के बरतन बनानेवाला, कुम्हार 2. जंगली मुर्गा।

कुलालचक्र पुं. (तत्.) 1. कुम्हार का चाक 2. जंगली मुर्गा 3. उलूक, उल्लू।

कुलालिका स्त्री. (तत्.) चिड़ियाखाना।

कुलाली स्त्री. (तत्.) 1. कुम्हार की पत्नी, कुम्हारिन 2. कुम्हार जाति की स्त्री 3. अंजन या सुरमें में प्रयुक्त होने वाला एक प्रकार का नीला पत्थर।

कुलाली स्त्री. (देश.) दूरबीन।

कुलिश पुं. (तत्.) 1. हीरा 2. बिजली, गाज, चिल्ली 3. ईश्वरावतार राम, कृष्ण आदि के चरणों का एक चिह्न, जो वज्र के आकार का माना जाता है 4. कुठार 5. एक प्रकार की मछली।

कुलिशधर पुं. (तत्.) इंद्र, सुरराज, बज्रधर।

कुलिशपाणि पुं. (तत्.) दे. कुलिशधर।

कुली पुं. (तुर्की.) 1. बोझ ढोनेवाला, मजदूर, मोटिया 2. गुलाम स्त्री. (देश.) 1. बड़ी साली, पत्नी की बड़ी बहन 2. भटकटैया।

कुली कबाड़ी पुं. (देश.) छोटी जाति के लोग।

कुलीन वि. (तत्.) 1. उत्तम कुल में उत्पन्न, खानदानी 2. पवित्र, शुद्ध पुं. 1. बंगाली ब्राह्मणों का एक वर्ग जिन्हें पंचगौड़ा के महाराज आदिसूर अपने राज्य में साग्निक ब्राह्मण होने के कारण, आठवीं शती में काशी से अपने साथ ले गए थे